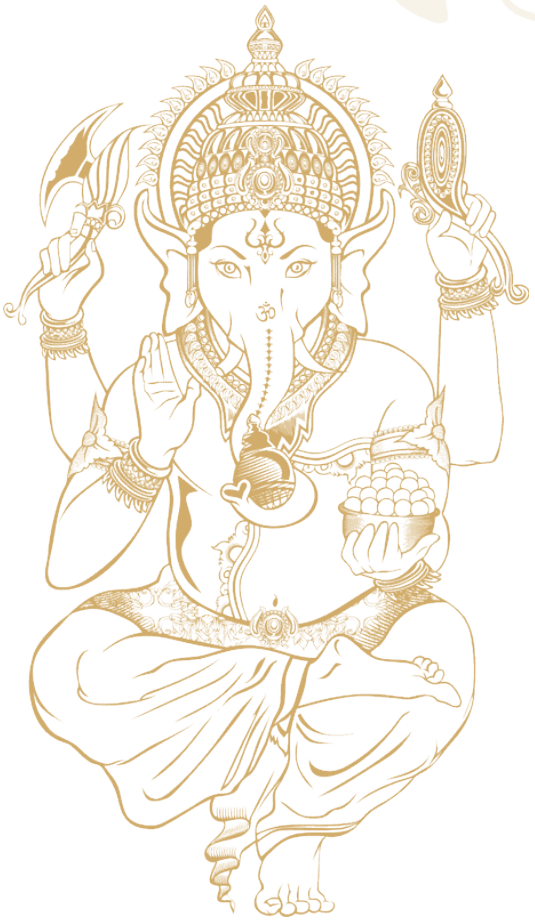

a

nidhi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121226901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121226901 Date: 09/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/12/1997	जन्म तिथि	06/03/2001
शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 12:32:00	जन्म समय	14:15:00 घंटे
घटी 12:55:05	जन्म समय(घटी)	18:44:19 घटी
India	देश	India
Hamirpur	स्थान	Hamirpur
31:38:00 उत्तर	अक्षांश	31:38:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व	रेखांश	76:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36	स्थानिक संस्कार	-00:23:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:21:58	सूर्योदय	06:45:16
17:27:30	सूर्यास्त	18:24:58
23:49:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:09

मीन	लग्न	कर्क
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
वृश्चिक	राशि	कर्क
मंगल	राशि-स्वामी	चन्द्र
अनुराधा	नक्षत्र	पुष्य
शनि	नक्षत्र स्वामी	शनि
3	चरण	1
शूल	योग	शोभन
वणिज	करण	बव
नू-नूर	जन्म नामाक्षर	हू-हुस्नी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
विप्र	वर्ण	विप्र
कीटक	वश्य	जलचर
मृग	योनि	मेष
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 6वर्ष 7मा 13दि	17:52:40	मीन	लग्न	कर्क	00:08:46	शनि 16वर्ष 6मा 13दि
केतु	11:43:50	धनु	सूर्य	कुंभ	21:58:26	बुध
10/08/2021	12:01:17	वृश्चि	चंद्र	कर्क	05:03:39	19/09/2017
10/08/2028	13:14:16	मक	मंगल	वृश्चि	15:54:40	19/09/2034
केतु 06/01/2022	23:14:05	वृश्चि व	बुध	मक	25:06:09	बुध 15/02/2020
शुक्र 08/03/2023	27:27:19	मक	गुरु	वृष	09:53:37	केतु 12/02/2021
सूर्य 14/07/2023	10:06:25	मक व	शुक्र	मीन	23:42:55	शुक्र 13/12/2023
चन्द्र 12/02/2024	19:48:52	मीन	शनि	वृष	01:40:14	सूर्य 19/10/2024
मंगल 10/07/2024	19:18:14	सिंह व	राहु व	मिथु	19:42:03	चन्द्र 20/03/2026
राहु 29/07/2025	19:18:14	कुंभ व	केतु व	धनु	19:42:03	मंगल 17/03/2027
गुरु 05/07/2026	13:02:33	मक	हर्ष	मक	28:21:34	राहु 04/10/2029
शनि 14/08/2027	04:56:46	मक	नेप	मक	13:47:37	गुरु 10/01/2032
बुध 10/08/2028	12:46:19	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:22:17	शनि 19/09/2034

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:39 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:09

लग्न-चलित

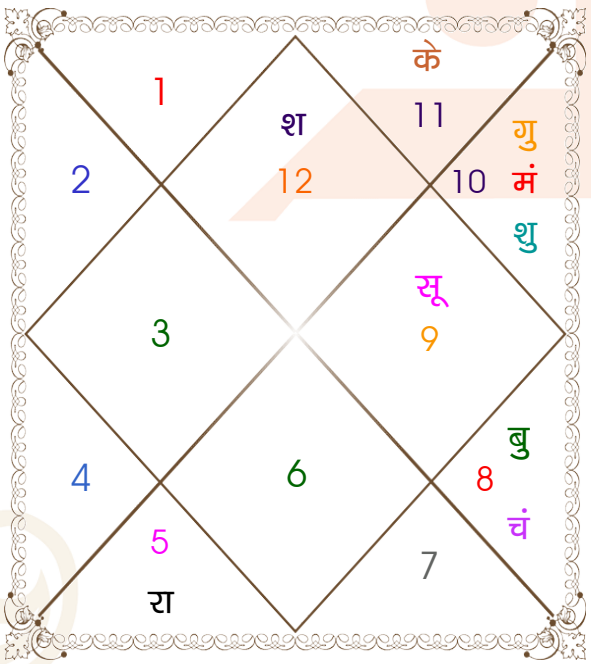

लग्न-चलित

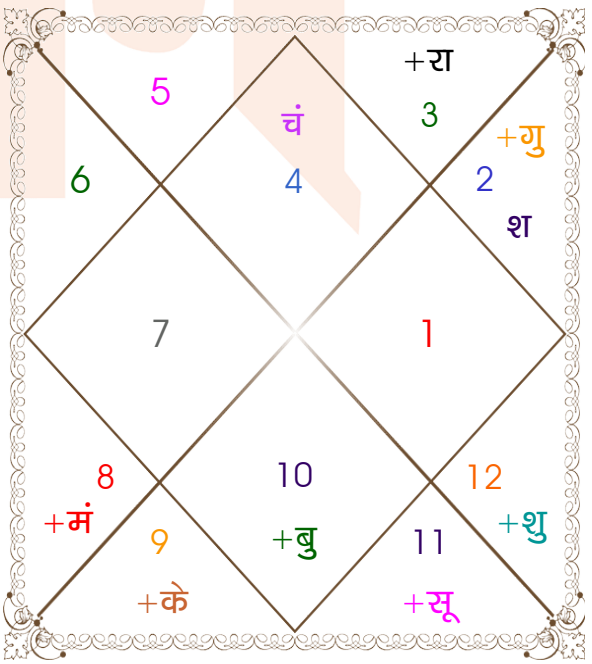

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : **18 / 36**

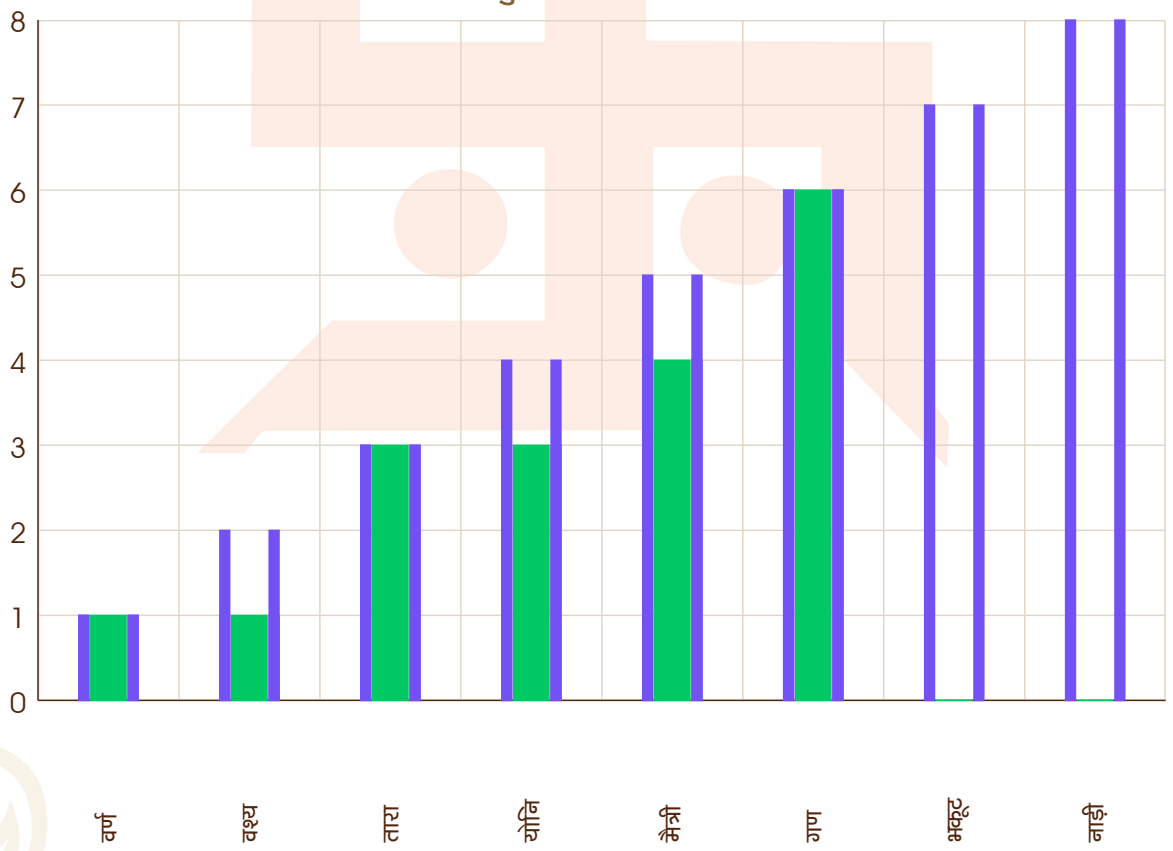

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनोa के राशि स्वामियोa मेa मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनोa के नक्षत्र एवa राशियाa भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि nidhi का नक्षत्र पुष्य है।

a का वर्ग सर्प है तथा nidhi का वर्ग मेष है। इन दोनोa वर्गोंa मेa परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार a और nidhi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

a मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली मेa एकादश भाव मेa स्थित है।

nidhi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली मेa पंचम् भाव मेa स्थित है।

a तथा nidhi मेa मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवa मंगलीक दोष न होने के कारण दोनोa का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

a का वर्ण ब्राह्मण तथा nidhi का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनोa के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवa नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनोa एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवa अनुकूल साबित होंगे तथा दोनोa हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवa पारिवारिक उत्तरदायित्वोa के निर्वहन मेa एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

a का वश्य कीट है एवa nidhi का वश्य जलचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवa कीट आपस मेa न तो मित्र होते हैa और न ही शत्रु। अतः कीट a एवa जलचर nidhi के बीच वैवाहिक संबंध उदासीनता तथा प्रेम एवa सौहार्द का अभाव बना रहेगा। जिसके कारण इनका जीवन नीरस हो सकता है। अधिकांश समय दोनोa समझौता करके तालमेल बनाने मेa व्यतीत करेंगे किंतु डंक मारना कीट का नैसर्गिक स्वभाव होता है अतः a यदा-कदा अस्वाभाविक व्यवहार कर सकता है जिससे nidhi शारीरिक, मानसिक एवa भावनात्मक रूप से आहत हो सकती है।

तारा

a की तारा जन्म तथा nidhi की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनोa मेa अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनोa एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वोa का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

a की योनि मृग है तथा nidhi की योनि मेष है। अर्थात दोनोa की योनि समान नहीa है। परन्तु इन दोनोa योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनोa के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवa पारिवारिक जीवन मेa सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनोa एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवa विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन मेa सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवa उनमेa सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन मेa अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार मेa सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवa सौहार्द्र की भावना के कारण दोनोa एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार मेa शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओa की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनोa से उत्पन्न संतानेa योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन मेa सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन मेa सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान मेa ग्रह मैत्री कूट मेa a का राशि स्वामी nidhi के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि nidhi का राशि स्वामी a के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते होa तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति मेa वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवa समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवa सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनोa अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वोa का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

a का गण देव तथा nidhi का गण भी देव है। अर्थात दोनोa का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनोa दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवa संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनोa एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति मेa वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवa समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

a से nidhi की राशि नवम भाव मेa स्थित है तथा nidhi से a की राशि पंचम भाव मेa स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीa है। क्योंकि इसमेa नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवa अनहोनी घटनाएa घट सकती हैं। a की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि मेa धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतोa के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीa रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनोa के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

a की नाड़ी मध्य है तथा nidhi की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनोa की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीa है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी मेa से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति मेa a एवa nidhi का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

a की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा nidhi की राशि भी जलतत्व युक्त कर्क है। जलतत्व की परस्पर समानता होने के कारण a और nidhi की स्वभावगत विशेषताओa मेa समानता होगी फलतः दाम्पत्य संबंधोंa मेa मधुरता रहेगी तथा इनका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

a की जन्म राशि का स्वामी मंगल तथा nidhi की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर सम एवa मित्र राशियोa मेa स्थित हैं। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव से a और nidhi का आपस मेa प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा तथा सुख दुख मेa एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने मेa तत्पर रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणोa की प्रशंसा करेंगे तथा कमियोa की उपेक्षा करेंगे जिससे इनका वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

a और nidhi की राशियाa परस्पर नवम एवa पंचम भाव मेa पड़ती है शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलोa मेa यदा कदा न्यूनता का भाव आएगा तथा आपस मेa मतभेद तथा विरोध के भाव मेa वृद्धि होगी। वे एक दूसरे के प्रति अंहकार एवa श्रेष्ठता की भावना भी रखेंगे। इससे संबंधोंa मेa तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा अतः सुखी दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने के लिए a और nidhi को ऐसी प्रवृतियोa की उपेक्षा करनी चाहिए।

a का वश्य कीट तथा nidhi का वश्य जलचर है। अतः नैसर्गिक रूप से इन दोनोa के मध्य मित्रता तथा समता होने के कारण a और nidhi की अभिरूचियोa मेa समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवa भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएa समान रहेगी। साथ ही दाम्पत्य संबधोंa मेa भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने मेa समर्थ रहेंगे।

a और nidhi दोनोa का वर्ण ब्राह्मण है अतः इनकी कार्य क्षमताएa समान होंगी तथा शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापोa मेa दोनोa रूचिशील रहेंगे फलतः कार्य क्षेत्र मेa सुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

a और nidhi का जन्म एक ही तारा 'जनम' मेa हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा मेa धन एवa लाभ अर्जित करने मेa समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवa मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतोa से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से a और nidhi सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

a को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य

से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवa परिश्रम से उसमेa उतरोत्तर वृद्धि करने मेa समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनोa का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

a और nidhi दोनोa की नाड़ी मध्य है। अतः इन दोनोa पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से दोनोa का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। इससे a और nidhi दोनोa उदर संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे लीवर विशेष प्रभावित रहेगा। परन्तु मंगल का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इससे कष्ट की गंभीरता मेa न्यूनता आएगी परन्तु सामान्य कष्ट वे समय समय पर प्राप्त करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस दोष के प्रभाव से a को धातु संबंधी तथा nidhi को मासिक धर्म संबधी परेशानी हो सकती है। अतः उत्तम वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान अनुकूल नहीं होगा जिससे यत्नपूर्वक इसकी उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

यथोचित समय मेa संतति प्राप्ति के लिए a और nidhi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमेa किसी भी प्रकार से अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चोa के जन्म के मध्य भी उचित अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित रूप से करने मेa समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त a और nidhi के कन्या तथा पुत्र संततियोa की संख्या समान रहेगी।

nidhi का प्रसव सामान्य रूप से नहीं होगा तथा इसमेa उन्हेa किसी भी प्रकार से परेशानी या समस्याओa का सामना करना पड़ेगा। यह समस्या गर्भपात के रूप मेa भी हो सकती है। अतः उन्हेa गर्भावस्था के मध्य अपना डाक्टरी परीक्षण नियमित रूप से करवाते रहना चाहिए। इस प्रकार वह सुदंर स्वस्थ एवa आकर्षक बच्चोa को जन्म देंगी तथा स्वयa भी स्वस्थ एवa शांति की अनुभूति करेंगी।

a और nidhi को बच्चोa की ओर से पूर्ण सन्तुष्टि प्राप्त होगी तथा बच्चे भी अपने क्षेत्र मेa स्व बुद्धिमता योग्यता एवa व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। माता पिता के वे आज्ञाकारी होगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। साथ ही माता पिता के प्रति उनके मन मेa समान लगाव रहेगा। इस प्रकार a और nidhi अपने योग्य एवa बुद्धिमान बच्चोa पर गर्व करेंगे तथा सुख शांति एवa प्रसन्नता पूर्वक अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

nidhi के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही nidhi सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवa सन्तुष्ट करने मेa nidhi को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि nidhi धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा मेa सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवa ननदोa से nidhi के संबधोa मेa मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवa बुद्धिमता से ही nidhi ससुराल मेa अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

a की सास से संबधोa मेa मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधोa मेa औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदोa की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर a सपत्नीक ससुराल के लोगोa से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन a ससुर के साथ मधुर संबधोa मेa नित्य वृद्धि करने मेa समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवa बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हेa उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवa सालियोa से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवa स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगोa का a के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगोa से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।